प्रकाशनार्थ

पटना, 16 सितंबर। 1987 के मॉन्ट्रियल प्रोटोकॉल के बाद ओजोन परत के संकट से सफलतापूर्वक निपटने के लिए सभी देशों के संयुक्त प्रयास की सराहना करते हुए पटना साइंस कॉलेज की प्रोफेसर श्रुति दत्ता ने कहा कि वर्ष 2066 तक ओजोन परत पूरी तरह ठीक हो जाएगी। मॉन्ट्रियल प्रोटोकॉल का उद्देश्य सीएफसी और हैलोन जैसे ओजोन परत को नुकसान पहुंचाने वाले पदार्थों को चरणबद्ध तरीके से समाप्त करना था। वह आज केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय-समर्थित ई.आई.ए.सी.पी-आद्री द्वारा आयोजित विश्व ओजोन दिवस के कार्यक्रम में बोल रही थीं। ई.आई.ए.सी.पी एशियन डेवलपमेंट रिसर्च इंस्टीट्यूट (आद्री) की जलवायु संकट से निपटने वाली इकाई है।

कार्यक्रम में सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ साउथ बिहार, गया के प्रोफेसर राजेश कुमार रंजन ने हमारे पर्यावरण से जुड़े मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की। पर्यावरण विशेषज्ञ सुश्री श्रद्धा सिन्हा ने भी इस अवसर पर अपने विचार रखे।

(अभिषेक प्रसाद)